लिपि और भाषा : साम्य-वैषम्य

स्नातक भाग-2
प्रधान हिन्दी

1) भाषा ध्वनि प्रतीकों की व्यवस्था है और लिपि वर्ण प्रतीकों की।
2) भाषा श्रव्य है, जबकि लिपि दृश्यात्मक है।
3) भाषा में अस्थायित्व है, क्योंकि भाषा की ध्वनियाँ उच्चरित होते ही गायब हो जाती हैं, जबकि लिपि में अपेक्षाकृत अधिक स्थायित्व होता है।
4) भाषा सद्य (तुरंत) प्रभावकारी है, जबकि लिपि किंचित विलम्ब से।
5) भाषा सूक्ष्म है, लेकिन लिपि स्थूल।
6) भाषा में सुर, तान आदि की अभिव्यक्ति हो सकती है, जबकि लिपि में नहीं।

किंतु भाषा और लिपि दोनों अभिव्यक्ति का माध्यम है।

भाषा समस्त भावों की अभिव्यक्ति नहीं कर सकती और लिपि भाषा में अभिव्यक्त समस्त भावों की अभिव्यक्ति नहीं कर सकती। भाषा हो या लिपि दोनों का उच्चज्ञान शिक्षा द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। दोनों समय के विकासक्रम में प्राप्त हुए हैं।